● **पहचानो और बताओ :**

६. जुड़ें हम

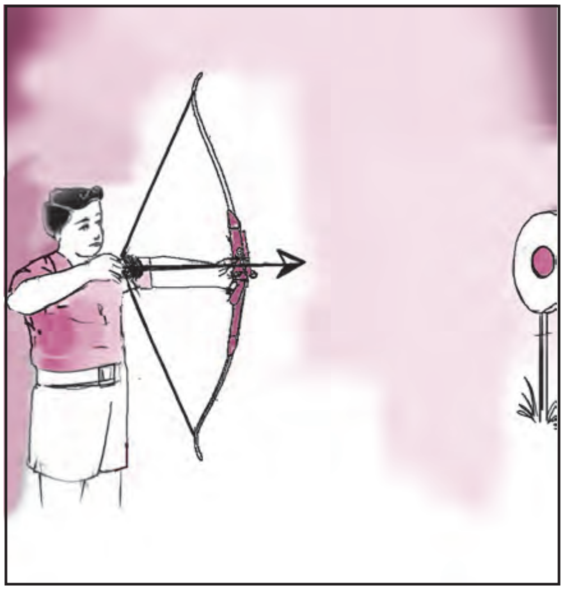

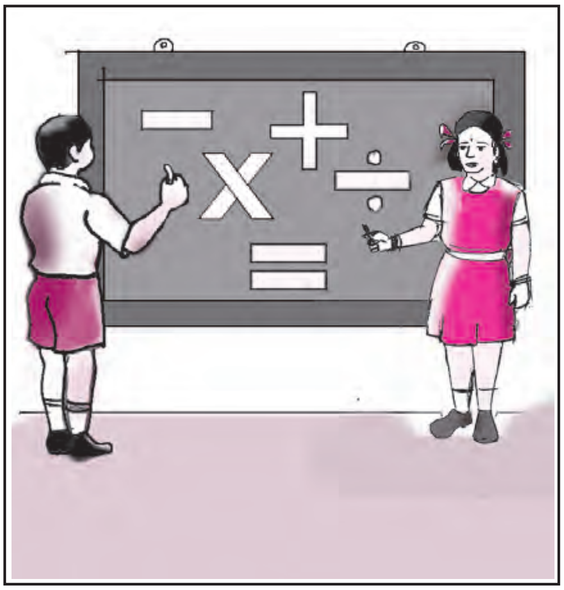

*** सुनो और दोहराओ :**

मुख्य लक्ष्य पर ध्यान लगाओ ।

प्रह्लाद, विद्‌या चिह्न बनाओ ।

१. पढ़ो :

पाई हटाकर जुड़ें हम		हल लगाकर जुड़ें हम	
ग्वाला	पुष्प	सिद्‌धू	द्‌वार
गुच्छा	डिब्बा	लड्‌डू	खट्‌टा
चप्पल	पत्थर	बाह्‌य	वाङ्‌मय

२. मुखर वाचन करो और अनुलेखन करो :

सोआ, मेथी, पालक, चौलाई; हरी सब्जियाँ मन को भाएँ ।
बैंगन, कुम्हड़ा, लहसुन, प्याज; गाजर, मूली बहुत लुभाएँ ।
ककड़ी, मटर, आलू लाओ; लाल टमाटर को मित्र बनाओ ।
चुकंदर, भुट्‌टा, कद्‌दू खाओ; हर बीमारी को दूर भगाओ ।।

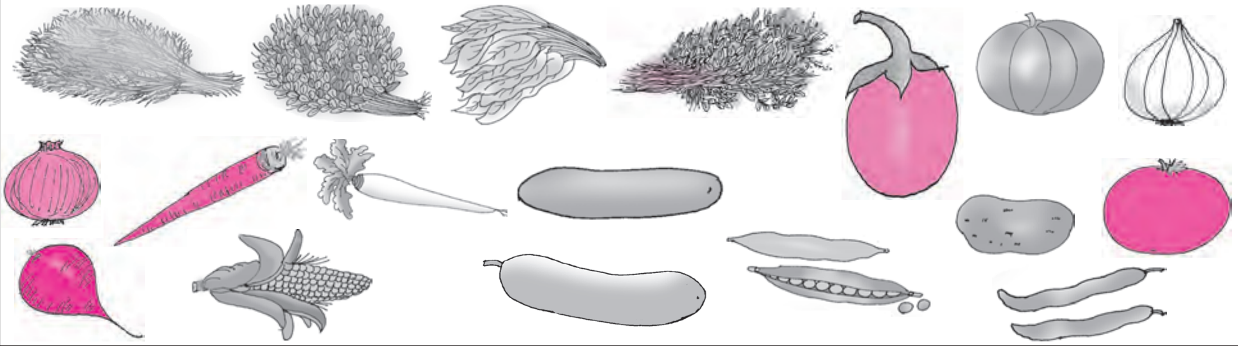

❑ अध्यापन करने से पहले पृष्ठ ३२ पर दिए गए अध्यापन संकेत पढ़कर विद्‌यार्थियों से अभ्यास करवाएँ । चित्रों को पहचानकर सब्जियों के नाम कहलवाएँ । आवश्यकतानुसार सहायता करें । दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुओं के नाम कहलवाएँ ।

● पहचानो और बताओ :

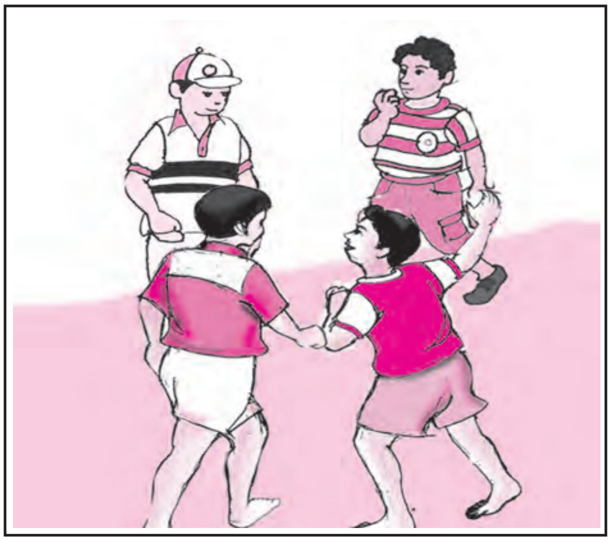

❋ सुनो और दोहराओ :

अक्खड़, फक्कड़, गफ्फार, उत्तम । अग्रसर महाराष्ट्र सर्वोत्तम ।

१. पढ़ो :

आधे होकर जुड़ें हम		विभिन्नता से जुड़ें हम	
मक्खी	सिक्का	दर्जी	गंधर्व
रफ्तार	डॉक्टर	इंद्रधनुष	चंद्रमा
शगुफ्ता	मुजफ्फर	मेट्रो रेल	महाराष्ट्र

JRE22H

२. मौन वाचन करो और आपस में श्रुतलेखन करो :

१. सेवा डॉक्टर का कर्तव्य है ।
२. पौधे लगाओ, प्रदूषण हटाओ ।
३. राष्ट्रीय संपदा, स्वच्छ रखें सर्वदा ।
४. मक्खी, मच्छर भगाओ, रोग मिटाओ ।
५. रक्तदान-जीवनदान, नेत्रदान-श्रेष्ठ दान ।
६. विश्वास रखो, अंधविश्वास नहीं ।
७. बेईमानी ठुकराओ, ईमानदारी अपनाओ ।
८. इंद्रधनुष के रंगों की तरह मिलकर रहो ।

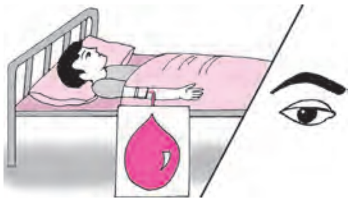

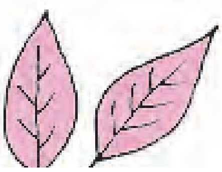

❑ इस पृष्ठ का अध्यापन करने से पहले पृष्ठ ३२ पर दिए गए अध्यापन संकेत पढ़कर विद्यार्थियों से अभ्यास करवाएँ । सुविचारों को समझाएँ और इसी प्रकार के सुविचारों और सुवचनों का संग्रह करवाएँ । दैनिक व्यवहार में इनका प्रयोग करने के लिए प्रेरित करें । इंद्रधनुष के रंगों के नाम कहलवाएँ और रंगों की सूची बनवाएँ । विद्यार्थियों से रंगों और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की जोड़ियाँ मिलवाएँ ।